>

Title: Need to provide financial package to the farmers whose crops have been affected due to armyworms in Eastern Vidharbha region of Maharashtra

श्री हंसराज गं. अहीर (चन्द्रपुर) : महोदय, महाराÂष्ट्र राज्य के पूर्वी विदर्भ में पिछले 10 अगस्त, 2008 से संहारक फौजी इल्लीयों (स्पोडोप्टेरा) के आक्रमण के कारण कई जिलों में खड़ी फसलें नÂष्ट हो गयी हैं। विशेÂाकर चंद्रपूर जिले में इसका प्रकोप बड़े पैमाने पर दिखाई दे रहा है। मेरे निर्वाचन क्षेत्र के चंद्रपुर जिले के बरोरा, भद्रावती, चिमूर, कोरपना, गोंडपिपरी, राजूरा तथा जिवती तहसीलों में फौजी इल्लीयों के आक्रमण से फसलें पूरी तरह बर्बाद हो गयी है। दो सप्ताह से यह विभीषिका घटित होने के बाद स्थानीय प्रशासन एवं राज्य सरकार द्वारा की गयी उपेक्षा के कारण किसानों में असंतोष पनप रहा है।

ज्ञात हो कि विदर्भ क्षेत्र के किसान बदहाली के चलते आत्महत्या कर रहे हैं। सरकार द्वारा ऋण माफी की घोषणा करने के बाद इस क्षेत्र के किसानों को इसका आवश्यकता के अनुसार लाभ नहीं मिला। अब नये फसल ऋण देने में बैंकों द्वारा की जा रही कोताही के कारण किसानों को खरीफ फसल की बुआई करने के लिए महाजनों से ऋण लेना पड़ा है। उसके बाद फसलों पर फौजी इल्लीयों का आक्रमण होने के कारण फसलें पूरी तरह बर्बाद होने के कारण किसान फिर से आत्महत्या कर रहे हैं। यह हादसा होने के बाद दस दिनों में चंद्रपुर जिले में ही तीन किसानों द्वारा आत्महत्या की गई है। इससे स्थिति की भयावहता पता चलती है।

चंद्रपुर जिले के कपास, सोयाबीन और अरहर समेत अन्य फसलों के पूरी तरह नÂष्ट होने के कारण इस साल का खरीफ मौसम किसानों के लिए खाली हाथ रहा है। एक अनुमान के अनुसार फौजी इल्लीयों द्वारा जिले के करीब 1 लाख 25 हजार हैक्टेयर फसलों तथा 500 करोड़ रूपए से भी अधिक का नुकसान हुआ है। जिले की अन्य तहसीलों में धान की खेती प्रमुखता से होती है। जहां धान की बुआई शुरू हो गई है फौजी इल्लीयों का आक्रमण धान फसलों पर भी हुआ है। फौजी इल्लीयों के नियंत्रण के लिए लगने वाली औषधियां महंगी होने के कारण किसान इसे खरीदकर छिड़काव नहीं कर सकते। स्थानीय प्रशासन द्वारा मुफ्त में औषधियां उपलब्ध कराने में विलंब के कारण फौजी इल्लीयां खेतों से निकल कर ग्रामीण क्षेत्र के निवासी गांवों में कहर बरपा रही थीं। फौजी इल्लीयों के विनाशकारी तांडव के कारण किसानों का जो भारी नुकसान हुआ है, इसकी भरपाई करने के लिए किसान सरकार की ओर आस लगाये बैठे हैं। केन्द्र सरकार फौजी इल्लीयों के द्वारा किये गये फसलों के विनाश का सर्वेक्षण कराने के लिए एक विशेषज्ञों का दल भेजकर किसानों को राहत प्रदान करे तथा इस प्राकृतिक आपदाग्रस्त किसानों को उनके नुकसान की भरपाई हेतु एक विशेÂा पैकेज की तत्काल घोÂÂषणा करे।

जिले में बड़ा भौगोलिक क्षेत्र फौजी इल्लीयों के आक्रमण का शिकार हुआ है। इन क्षेत्रों में फसलें पूरी तरह बर्बाद होने के बाद किसानों को अगली फसलों की बुआई तथा अन्य कृषि कार्य हेतु पूंजी उपलब्ध नहीं है। अतः मैं केन्द्र सरकार से स्थिति की भयावहता को देखते हुए किसानों को नकद राशि तथा अन्य कृषि सहायता उपलब्ध कराने की मांग करता हूं।